FD-2154

B.A. (Part-II) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) साँच कहै तो पनही खावै। झूठे बहुविधि पदवी पावैं॥

छलिमन के एका के आगे। लाख कहो एकहु नहीं लागे॥

भीतर होई मलिन की कारो। चहिये बाहर रंग चटकारो॥

अथवा

धर्म अधर्म एक दरसाई। राजा करै सो
न्याय सदाई॥

भीतर स्वाहा बाहर सादे। राजा करहिं अमल
अरु प्यादे॥

अंधाधुन्ध मच्चौ सब देसा। मानहु राजा
रहत विदेशा॥

(ख) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जिससे हमें दुःख पहुँचा है उस पर यदि हमने क्रोध किया और यह क्रोध हमारे हृदय में बहुत दिनों तक टिका रहा तो वह बैर कहलाता है। इस स्थायी रूप से टिक जाने के कारण क्रोध का वेग और उग्रता तो धीमी पड़ जाती है, पर लक्ष्य को पीड़ित करने की प्रेरणा बराबर बहुत काल तक बनी रहती है। क्रोध अपना बचाव करते हुए शत्रु को पीड़ित करने की युक्ति आदि सोचने का समय प्रायः नहीं देता पर बैर उसके लिए बहुत समय देता है।

अथवा

अमराई से जुड़ने का अर्थ होता है, वसन्त से जुड़ना, वसन्त की तैयारी से जुड़ना, जीवन की नवीकरण की प्रक्रिया से जुड़ना, शक्ति से सघन श्यामल प्रसार से जुड़ना, संगीत भातृका दूर्वादल-श्यामा महामातंगी से जुड़ना, पूर्ण पातन, पल्लवन, कुसमन और फलन की समग्रता से जुड़ना, प्रकृति के एकताल बद्ध समाज की समरस्वरता से जुड़ना, मनुष्य के एकांत विश्वास से जुड़ना और धरती उमंग की आकाश के स्वस्ति-वाचन से जुड़ना।

(ग) उस बेचैनी के खत्म होने का वक्त भी आ रहा है। (खिड़की की ओर संकेत करते हुए) देखो ये तारे ढल रहे हैं। रात भर इन्होंने रोशनी की और अब वे अपनी आखिरी घड़ियाँ गिन रहे हैं, लेकिन हमने उम्र भर अंधेरा ही फैलाया। उजाले की कोई किरण नहीं रही। हम मौत को ही उजाला दे सकें तो अपने को खुशकिस्मत समझेंगे।

अथवा

जिस युग की हम उपज थे जब वह चला गया तो उसकी उपज कब तक टिकती? राज्य मिट जाते हैं बड़े-से-बड़े और ज्ञानी किसी दिन मरते हैं, पर उनकी लौ जलती रहती है। व्यक्ति और मनुष्यता का मान वह लौ है। तुमने अपने बुरे दिन की बात कही और वह दया से पिघल उठा। जहाँ किसी भी रूप में दया की माँग है, वहाँ व्यक्ति मर जाता है, जीता नहीं।

2. ''अंधेर नगरी' समसामयिक संदर्भ का जीवंत प्रहसन है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'काव्येषु नाटकं रम्यम्' निबंध में बाबू गुलाबराय ने नाटक की रमणीयता पर प्रकाश डाला है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

''उस अमराई ने राम-राम कही है।'' निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. एकांकी विधा को स्पष्ट करते हुए इसके उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'दस हजार' नामक एकांकी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

'मम्मी ठकुराइन' एकांकी के मूल प्रतिपाद्य की विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 15

(*i*) हरिशंकर परसाई की भाषा

(*ii*) भारतेन्दु हरिशचन्द्र जी का जीवन परिचय

(*iii*) महादेवी वर्मा जी का साहित्यिक परिचय

(*iv*) हिन्दी रंगमंच में हबीब तनवीर का योगदान

(*v*) 'बेईमानी की परत' में निहित व्यंग्य

(*vi*) ललित निबंध

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(*i*) 'जनमेजय का नाग यज्ञ' किस साहित्यकार की रचना है ?

(*ii*) 'कोणार्क' नामक एकांकी के रचनाकार का नाम बताइए।

(*iii*) गोवर्धन दास और नारायण दास किस प्रहसन के पात्र हैं ?

(*iv*) करीम किस एकांकी का पात्र है ?

(*v*) 'स्ट्राइक' एकांकी के रचनाकार का नाम बताइए।

(*vi*) शीला और राजनाथ किस एकांकी के पात्र हैं ?

(*vii*) एकांकीकार लक्ष्मीनारायण मिश्र का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(*viii*) सुन्दरलाल किस उपन्यास का पात्र है ?

(*ix*) 'मादा कैक्टस' किस साहित्यकार की रचना है ?

(*x*) ''यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।'' यह कथन किस साहित्यकार का है?

(*xi*) 'अमीर इरादे–गरबी इरादे' नामक निबंध संग्रह के रचनाकार का नाम बताइए।

(*xii*) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

(*xiii*) 'मेरी यूरोप यात्रा' नामक यात्रा साहित्य के रचनाकार का नाम बताइए।

(*xiv*) आधुनिक मीरा के नाम से किस कवयित्री को पुकारा जाता है?

(*xv*) 'गाँव का नाम ससुराल मोर नाम दामाद' किस साहित्यकार की रचना है?

———